समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 18 August 2026

# ब्राह्मण ही होगा अगला बीजेपी अध्यक्ष ! उपराष्ट्रपति चुनाव ने बदला गणित, तीन नामों मे ं सबसे आगे जेपी नड्डा

Publisher

Published on 17 Sep 2025

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को लेकर चर्चाएँ तेज़ हो गई हैं। उपराष्ट्रपति चुनाव के बाद पार्टी के भीतर गणित बदलता नज़र आ रहा है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा नेतृत्व **ब्राह्मण समुदाय से ही नया अध्यक्ष चुनने की तैयारी मे है**।

पार्टी के करीबी लोगों का कहना है कि भाजपा आने वाले नवरात्रि पर्व पर यह घोषणा कर सकती है। मौजूदा अध्यक्ष जेपी नड्डा का नाम सबसे आगे है। उनके साथ ही दो और नेताओं की चर्चा हो रही है, और दोनों ही ब्राह्मण चेहरे हैं।

हाल ही में हुए उपराष्ट्रपति चुनाव ने भाजपा संगठन में संतुलन का नया अध्याय खोला है। पार्टी अब सामाजिक और जातीय संतुलन पर ज़्यादा ध्यान दे रही है। भाजपा का मानना है कि आने वाले विधानसभा चुनावों से पहले ऐसा कदम संगठन की मजबूती और राजनीतिक संदेश दोनों देगा। पार्टी को लगता है कि ब्राह्मण नेता को फिर से अध्यक्ष बनाने से **उत्तर भारत के बड़े राज्यों** जैसे उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड में उसका आधार और मजबूत होगा।

जेपी नड्डा पहले से ही पार्टी के अध्यक्ष हैं और उनका कार्यकाल सफल माना जा रहा है। उनके नेतृत्व में भाजपा ने कई राज्यों में जीत दर्ज की। संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया गया। वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह के भरोसेमंद माने जाते हैं।

सूत्रों का कहना है कि नड्डा को दूसरी बार औपचारिक रूप से राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना लगभग तय है। हालांकि, पार्टी अभी अन्य विकल्पों पर भी विचार कर रही है।

भाजपा नेतृत्व के भीतर दो और ब्राह्मण नेताओं के नाम सामने आ रहे हैं। इनमें सबसे प्रमुख नाम **देवेंद्र फडनवीस** का है। फडनवीस महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री हैं और पार्टी संगठन में उनकी पकड़ मजबूत मानी जाती है। वे युवा और ऊर्जावान नेता हैं, जिन्हें राष्ट्रीय स्तर पर भी काम का अनुभव है।

इसके अलावा, एक अन्य वरिष्ठ ब्राह्मण नेता का नाम भी अंदरखाने चर्चा में है। हालांकि, पार्टी ने आधिकारिक रूप से किसी का नाम घोषित नहीं किया है।

भाजपा की रणनीति जातीय और क्षेत्रीय संतुलन पर आधारित रही है। ब्राह्मण समाज लंबे समय से भाजपा का मजबूत वोटबैंक रहा है। राष्ट्रीय नेतृत्व में इस वर्ग का प्रतिनिधित्व देना पार्टी के लिए **राजनीतिक संदेश** होगा। आगामी विधानसभा चुनावों में यह कदम भाजपा को अतिरिक्त समर्थन दिला सकता है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि भाजपा अभी किसी नए प्रयोग की बजाय **सुरक्षित चेहरा** चुनना चाहेगी। यही कारण है कि ब्राह्मण नेता पर भरोसा जताने की संभावना ज्यादा है।

सूत्रों के अनुसार, भाजपा नवरात्रि पर्व को खास अवसर मान रही है। धार्मिक और सांस्कृतिक माहौल के बीच पार्टी इस बड़े ऐलान को जनता तक ले जा सकती है। यह भाजपा की चुनावी रणनीति के लिए भी कारगर कदम साबित होगा।

अगर जेपी नड्डा दोबारा अध्यक्ष बनते हैं तो यह भाजपा के लिए स्थिरता का संकेत होगा। इससे यह संदेश जाएगा कि पार्टी मोदी-शाह-नड्डा की तिकड़ी पर ही भरोसा जारी रखे हुए है। दूसरी ओर, यदि फडनवीस या कोई अन्य चेहरा अध्यक्ष बनते हैं तो इसे भाजपा का **भविष्य के नेतृत्व की ओर कदम** माना जाएगा।

विशेषज्ञों के अनुसार, भाजपा इस कदम से विपक्ष को यह संकेत भी देना चाहती है कि पार्टी अब भी **संगठनात्मक एकजुटता और जातीय संतुलन** में सबसे आगे है।

भाजपा में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद को लेकर चल रही चर्चा ने राजनीति का पारा बढ़ा दिया है। नवरात्रि में पार्टी नए अध्यक्ष का ऐलान कर सकती है। संभावना सबसे मजबूत जेपी नड्डा की है, लेकिन अन्य ब्राह्मण नेताओं के नाम भी चर्चा में हैं।

अभी तक पार्टी ने कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है। लेकिन इतना तय है कि अगला भाजपा अध्यक्ष **ब्राह्मण चेहरा** ही होगा। यह भाजपा की रणनीति और चुनावी तैयारी दोनों के लिहाज़ से अहम कदम माना जाएगा।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.